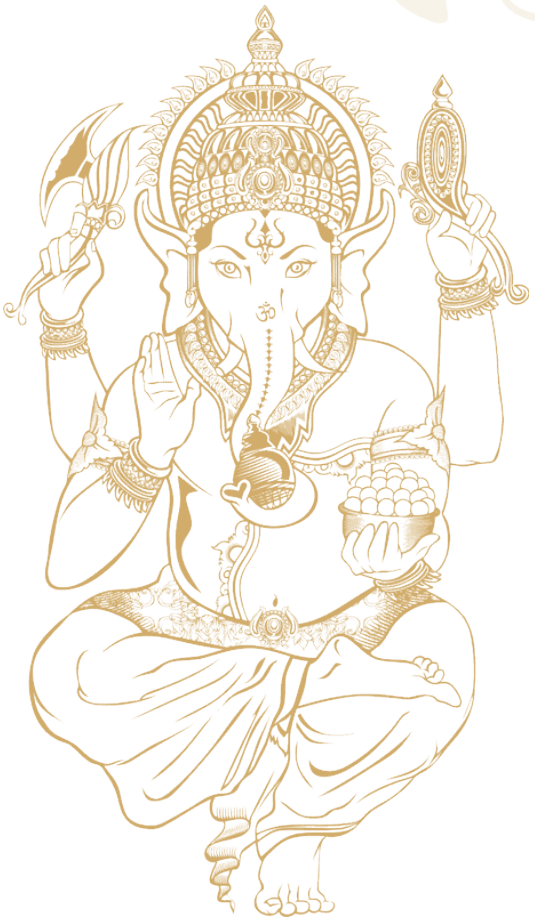

Ashutosh Shikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120995904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	14/08/1993
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	30:37:10 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Sultanpur
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:15:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	05:33:32
18:00:15	सूर्यास्त	18:38:48
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 7मा 9दि	11:57:44	मेष	लग्न	मक	13:02:47	राहु 8वर्ष 4मा 13दि
गुरु	01:54:34	कन्या	सूर्य	कर्क	27:56:32	शनि
29/04/2011	06:57:25	तुला	चंद्र	मिथु	13:48:01	27/12/2017
29/04/2027	00:32:07	तुला	मंगल	कन्या	07:46:42	27/12/2036
गुरु 16/06/2013	17:53:31	कन्या	बुध	कर्क	13:14:55	शनि 30/12/2020
शनि 28/12/2015	24:53:48	कन्या	गुरु	कन्या	18:09:56	बुध 09/09/2023
बुध 04/04/2018	02:34:51	सिंह	शुक्र	मिथु	20:45:11	केतु 18/10/2024
केतु 11/03/2019	01:06:36	कुंभ व	शनि व	कुंभ	03:35:37	शुक्र 19/12/2027
शुक्र 09/11/2021	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	15:42:54	सूर्य 30/11/2028
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृष व	केतु व	वृष	15:42:54	चन्द्र 01/07/2030
चन्द्र 28/12/2023	24:29:15	धनु व	हर्ष व	धनु	25:12:22	मंगल 10/08/2031
मंगल 03/12/2024	24:38:21	धनु व	नेप व	धनु	25:09:04	राहु 16/06/2034
राहु 29/04/2027	29:33:10	तुला	प्लूटो	तुला	28:59:12	गुरु 27/12/2036

लग्न-चलित

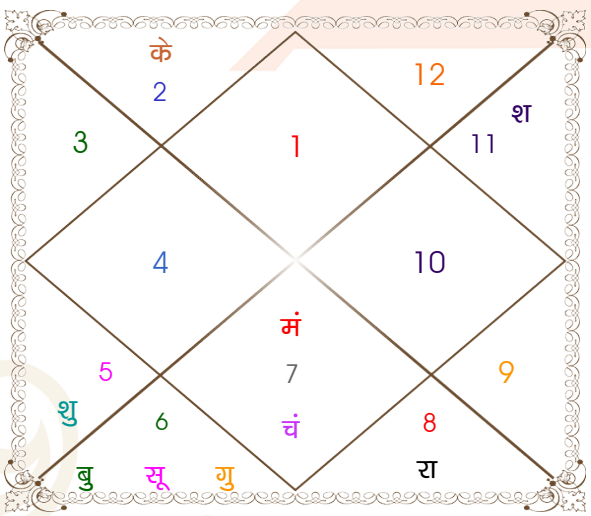

लग्न-चलित

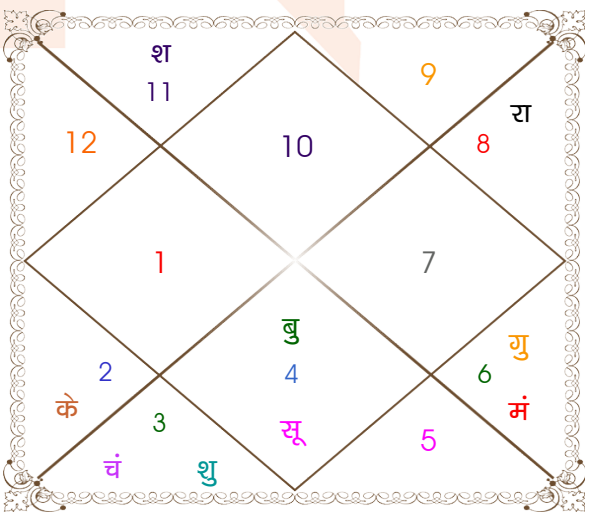

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ीनजवी का वर्ग मृग है तथा ैपिर्ी का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और ैपिर्ी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ीनजवी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैपिर्ी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ौपीं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ौनजवीं तथा ौपीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।